Contents

M. S. University of Baroda, Smt. Hansa Mehta Library

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय	:	विषय प्रवेश.. १
द्वितीय अध्याय	:	हिन्दी आत्मकथा परिभाषा, विभावना और विकास ४०
तृतीय अध्याय	:	"कस्तूरी कुंडल बसै का विश्लेषणात्मक अध्ययन"....... ८३
चतुर्थ अध्याय	:	"गुड़िया भीतर गुड़िया" का विश्लेषणात्मक अध्ययन १२४
पंचम अध्याय	:	"मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों का विश्लेषणात्मक अध्ययन" १९५
षष्ठ अध्याय	:	"आत्मकथाओं के परिप्रेक्ष्य में मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों का विश्लेषण एवं मूल्यांकन" ३१०
सप्तम् अध्याय	:	उपसंहार..३६८

Contents

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय : विषय प्रवेश..... १

- ❖ प्रास्ताविक
- ❖ उपन्यास की परिभाषा
- ❖ उपन्यास के विभिन्न रूपबंध
- ❖ हिन्दी उपन्यास की विकासयात्रा
- ❖ हिन्दी उपन्यास में मैत्रेयी पुष्पा का योगदान
- ❖ निष्कर्ष
- ❖ संदर्भानुक्रम

द्वितीय अध्याय : हिन्दी आत्मकथा परिभाषा, विभावना और विकास ४०

- ❖ प्रास्ताविक
- ❖ आत्मकथा विधा : तत्व एवं अभिलक्षण
- ❖ आत्मकथा साहित्य की परंपरा
  - (क) हिन्दी साहित्यकारों की आत्मकथाएँ
  - (ख) तत्कालीन नेताओं की आत्मकथाएँ
- ❖ समकालीन हिन्दी लेखिकाओं द्वारा प्रणीत आत्मकथाएँ
- ❖ नारी शिक्षा और नवजागरण - महात्मा गांधी के राजनीति प्रवेश के उपरांत हुए नारी सुधार विषयक आंदोलन
- ❖ महात्मा गांधी द्वारा सुधार प्रयत्न
- ❖ महिला संगठनों द्वारा सुधार प्रयत्न
- ❖ संवैधानिक सुधार प्रयत्न
- ❖ विविध क्षेत्रों की प्रथम महिलाएँ - नारी जागृति और कुछ लेखिकाएँ
- ❖ नारी जागृति विषयक पुस्तकें शिक्षा और नारी - विमर्श
- ❖ नारी - विमर्श और लेखिकाओं की आत्मकथाएँ
- ❖ निष्कर्ष
- ❖ संदर्भानुक्रम

तृतीय अध्याय : "कस्तूरी कुंडल बसै का विश्लेषणात्मक अध्ययन"..... ८३

- ❖ प्रास्ताविक
- ❖ कस्तूरी कुंडल बसै
- ❖ रे मन जाह, जहाँ तोहि भावे
- ❖ उलट पवन कहाँ राखिये।
- ❖ जिह तरसै तुम मिलन को, मन नाहि विसराम
- ❖ तुम्ह पिंजरा, मैं सुअना तोरा
- ❖ हम घर साजन आए
- ❖ दुल्हनियाँ गाओ री मंगलाचार
- ❖ कैसे नीर भरे पनिहारी?
- ❖ पानी में अगन जरै
- ❖ जो घर जारै आपनो.....
- ❖ विश्लेषणात्मक दृष्टिपात
- ❖ संदर्भानुक्रम

चतुर्थ अध्याय : "गुड़िया भीतर गुड़िया" का विश्लेषणात्मक अध्ययन.... १२४

- ❖ गुड़िया भीतर गुड़िया
- ❖ काहे री नलिनी तु कुम्हलानी
- ❖ तेरा झूठा मीठा लागा
- ❖ जो पै पिय के मन नहिं भायी
- ❖ एक सुहागिन जगत पियारी
- ❖ जियरा फिरे उदास
- ❖ धिय सबै कुल खोयो
- ❖ तृषावंत जो होगया.....
- ❖ मोरा मन मतबारा
- ❖ अखियाँ जान सुजान भई
- ❖ कहूँ रे जो कहिबे की होय
- ❖ मच्छी - रुखां चढ़ गई
- ❖ काजल केरी कोठरी
- ❖ पति संग जागी सुन्दरी
- ❖ यह तन जारौं, मसि करौं
- ❖ धरती बरसै, अंबर भीजै
- ❖ अन्तर भीगी आत्मा
- ❖ तन छूटे मन कहाँ समाई
- ❖ हम न मरहिं मारहि संसारा

❖ गुड़िया भीतर गुड़िया की विश्लेषणात्मक विवेचना
❖ निष्कर्ष
❖ संदर्भानुक्रम

पंचम अध्याय : **"मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों का विश्लेषणात्मक अध्ययन" १९५**

❖ प्रास्ताविक
❖ बेतवा बहती रही (१९९३)
❖ ईदन्नमम् (१९९४)
❖ चाक (१९९७)
❖ झूला नट (१९९९)
❖ अल्मा कबूतरी (२०००)
❖ अगनपाखी (२००१)
❖ विज़न (२००२)
❖ कही ईसुरी फाग (२००४)
❖ त्रिया हठ (२००५)
❖ गुनाह बेगुनाह (२०११)
❖ निष्कर्ष
❖ संदर्भानुक्रम

षष्ठ अध्याय : **"आत्मकथाओं के परिप्रेक्ष्य में मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों का विश्लेषण एवं मूल्यांकन" ३१०**

❖ प्रास्ताविक

(अ) कस्तूरी कुंडल बसै

❖ कस्तूरी कुंडल बसै में अभिव्यक्त कुछ विचार सूत्र

(आ) गुड़िया भीतर गुड़िया

❖ गुड़िया भीतर गुड़िया से निःसृत कुछ विचार सूत्र
❖ आत्मकथाओं के परिप्रेक्ष्य में मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यास
(१) स्मृतिदंश
(२) बेतवा बहती रही
(३) ईदन्नमम्
(४) चाक
(५) झूला नट

(६) अल्मा कबूतरी

❖ अन्य उपन्यास

❖ निष्कर्ष

❖ संदर्भानुक्रम

सप्तम् अध्याय : उपसंहार.....३६८

❖ मूल्यांकन और उपसंहार

❖ परिशिष्ट

❖ ग्रन्थानुक्रमणिका